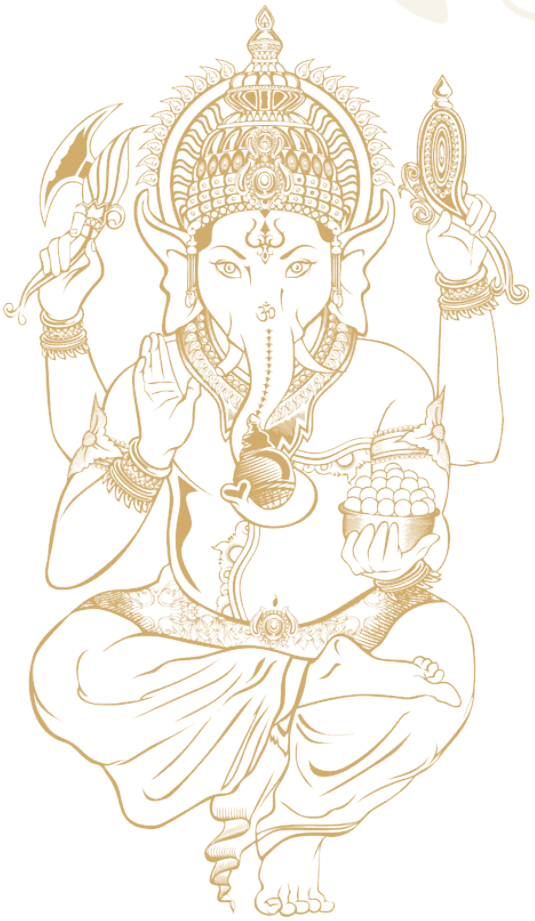

Ashish suri

12 Mar 1994

05:06 PM

Jagadhri

Model: web-freekundliweb

Order No: 121423602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12/03/1994**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**17:06:00 घंटे**
इष्ट	26:17:10 घटी
स्थान	**Jagadhri**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	30:11:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:45:12 घंटे
वेलान्तर	-00:09:52 घंटे
साम्पातिक काल	04:04:45 घंटे
सूर्योदय	06:35:08 घंटे
सूर्यास्त	18:26:38 घंटे
दिनमान	11:51:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	27:53:06 कुम्भ
लग्न के अंश	11:15:31 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शुभ
करण	किंस्तुघ्न
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	दा-दामोदर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	11:15:31	310:08:34	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	---
सूर्य			कुंभ	27:53:06	00:59:54	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	29:59:06	12:07:38	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	10:10:18	00:47:11	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
बुध			कुंभ	01:18:48	00:38:02	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
गुरु	व		तुला	20:39:14	00:02:14	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	11:02:56	01:14:37	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	उच्च राशि
शनि		अ	कुंभ	11:19:30	00:07:06	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	02:05:37	00:11:29	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	02:05:37	00:11:29	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	सम राशि
हर्ष			मक	01:33:57	00:02:20	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
नेप			धनु	29:02:50	00:01:23	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
प्लूटो	व		वृश्चि	04:15:27	00:00:23	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			वृष	09:26:41	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:49

लग्न-चलित

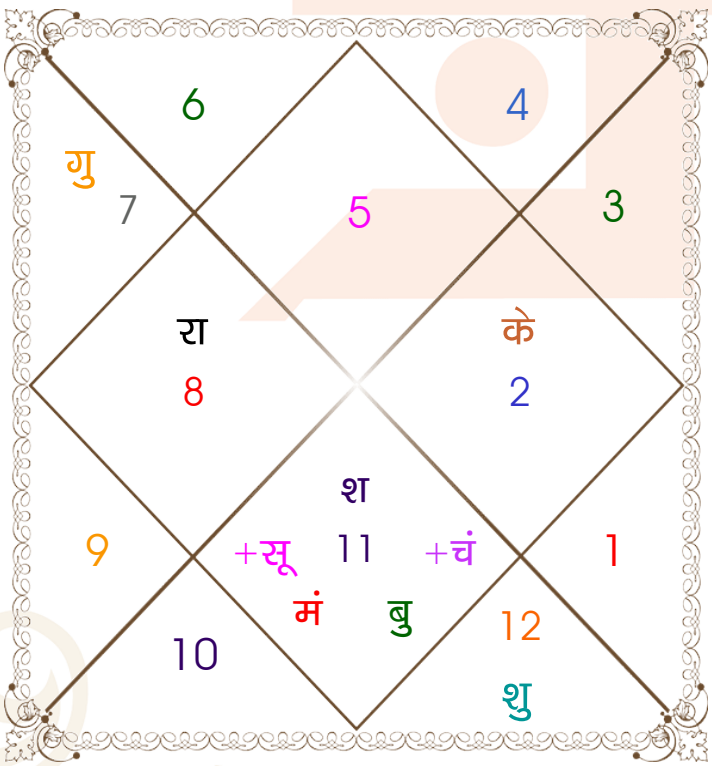

चन्द्र कुंडली

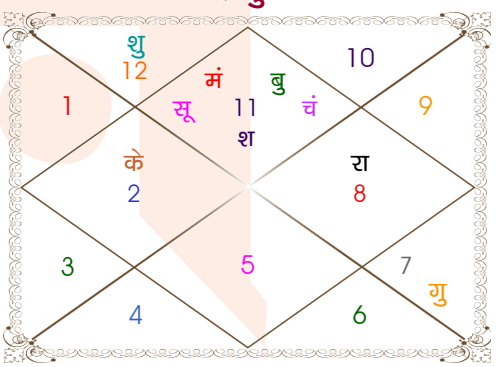

नवमांश कुंडली

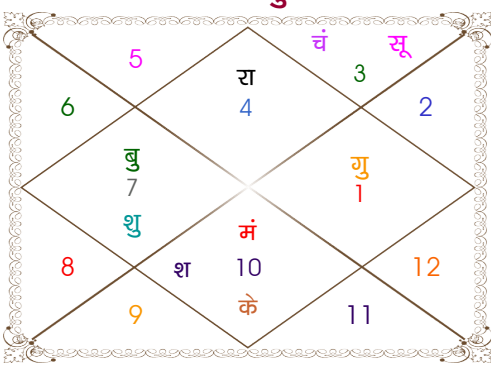

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 4 वर्ष 0 मास 6 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
12/03/1994		19/03/1998		19/03/2017		19/03/2034		19/03/2041	
19/03/1998		19/03/2017		19/03/2034		19/03/2041		19/03/2061	
	00/00/0000	शनि	22/03/2001	बुध	15/08/2019	केतु	15/08/2034	शुक्र	18/07/2044
	00/00/0000	बुध	30/11/2003	केतु	11/08/2020	शुक्र	15/10/2035	सूर्य	18/07/2045
	00/00/0000	केतु	08/01/2005	शुक्र	12/06/2023	सूर्य	20/02/2036	चंद्र	19/03/2047
	00/00/0000	शुक्र	09/03/2008	सूर्य	18/04/2024	चंद्र	20/09/2036	मंगल	18/05/2048
	00/00/0000	सूर्य	19/02/2009	चंद्र	17/09/2025	मंगल	16/02/2037	राहु	19/05/2051
	12/03/1994	चंद्र	20/09/2010	मंगल	14/09/2026	राहु	07/03/2038	गुरु	17/01/2054
चंद्र	17/11/1994	मंगल	30/10/2011	राहु	03/04/2029	गुरु	10/02/2039	शनि	19/03/2057
मंगल	24/10/1995	राहु	05/09/2014	गुरु	10/07/2031	शनि	21/03/2040	बुध	17/01/2060
राहु	19/03/1998	गुरु	19/03/2017	शनि	19/03/2034	बुध	19/03/2041	केतु	19/03/2061

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
19/03/2061		19/03/2067		19/03/2077		18/03/2084		20/03/2102	
19/03/2067		19/03/2077		18/03/2084		20/03/2102		00/00/0000	
सूर्य	06/07/2061	चंद्र	17/01/2068	मंगल	15/08/2077	राहु	29/11/2086	गुरु	07/05/2104
चंद्र	05/01/2062	मंगल	17/08/2068	राहु	02/09/2078	गुरु	24/04/2089	शनि	18/11/2106
मंगल	13/05/2062	राहु	16/02/2070	गुरु	09/08/2079	शनि	29/02/2092	बुध	23/02/2109
राहु	06/04/2063	गुरु	18/06/2071	शनि	17/09/2080	बुध	17/09/2094	केतु	30/01/2110
गुरु	23/01/2064	शनि	17/01/2073	बुध	14/09/2081	केतु	06/10/2095	शुक्र	30/09/2112
शनि	04/01/2065	बुध	18/06/2074	केतु	10/02/2082	शुक्र	06/10/2098	सूर्य	19/07/2113
बुध	11/11/2065	केतु	17/01/2075	शुक्र	12/04/2083	सूर्य	30/08/2099	चंद्र	13/03/2114
केतु	19/03/2066	शुक्र	17/09/2076	सूर्य	18/08/2083	चंद्र	01/03/2101		00/00/0000
शुक्र	19/03/2067	सूर्य	19/03/2077	चंद्र	18/03/2084	मंगल	20/03/2102		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 4 वर्ष 0 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश तथा धनु राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस समन्वित ग्रह योग के प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका सामान्य एवं वैवाहिक जीवन अति उत्तम रहेगा। आप अपने पिता के साथ अथवा अपने पुत्र के साथ आरामदेह एवं आनंदपूर्ण जीवन बिताएंगे। परंतु यह आभास मिलता है कि आपके पिता के साथ तथा पुत्रों के साथ कोई सामान्य समस्याओं से युक्त दिक्तों का सामना करना पड़ सकता है। आपके जीवन में कतिपय नकारात्मक व्यवधान को छोड़कर शेष जीवन उच्च स्तरीय सुख-सुविधापूर्ण बीतेगा। आप उच्च प्रशासनिक पद पर प्रतिष्ठित होकर पूर्ण फलदायी जीवन व्यतीत करेंगे, तथा अपने पारिवारिक सदस्यों का स्नेह एवं अन्य व्यक्तियों के द्वारा सम्मान प्राप्ति का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपको योजना बद्ध तरीके से धन का व्यय करने के प्रति सतर्क रहना होगा। आप अन्य व्यक्तियों के समक्ष अपना प्रभावशाली अस्तित्व को प्रदर्शित करने के लिए अपने लिए तथा पारिवारिक सदस्यों के पहनावा, वस्त्राभूषण पर बहुत अधिक व्यय करेंगे। आप अधिक मात्रा में अपने व्यवसायी पार्टनर तथा मित्रों को घर पर बुला कर, खान-पान एवं सम्मान पर अत्यंत धन का व्यय करेंगे।

आप उदार एवं दानी प्रवृत्ति के व्यक्ति है तथा समाज के कमजोर वर्ग की सहायता हेतु आर्थिक मदद करने की व्यवस्था करेंगे। अस्तु यह संभाव्य है कि आपकी बृद्धावस्था में धन के अभाव का पश्चाताप युक्त दुखद अनुभव करना पड़े। अतएव आपको परिस्थिति के अनुकूल धन के व्यय की उचित योजना बना कर सभी कार्यों का संपादन अर्थात् धन का व्यय करना चाहिए।

आप में जन्म से ही नेतृत्व के गुण विद्यमान है, तथा आपको कब क्या कार्य करना चाहिए। इस बात का भी ज्ञान है। आप अपनी जन्मजात प्रवृति से नेतागिरी का पूर्ण व्यवहार करेंगे। ऐसी आशा है कि आप निगमायुक्त एवं बड़ी कंपनी के उच्च पद पर आसीन होंगे। क्योंकि आप आश्चर्यजनक प्रभावशाली गुण के कारण शीघ्रता पूर्वक चमत्कारपूर्ण संबंध बना लेते हैं। आप सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी पद का भार ग्रहण करने के योग्य हैं।

आप अपने अत्याधिक कार्यक्रमों के अनुसार तथा यात्रा क्रम से अत्यंत व्यस्त तथा अनेक कार्यों में संलग्न रहेंगें। आप उत्तरदायीत्व पूर्ण कार्य प्रबंध करते हुए भी अपने पारिवारिक सदस्यों को बहुत स्नेह संबंध के लिए अपना बहुमूल्य समय प्रदान करेंगे।

आप में आंशिक अभिनयात्मक भावना विद्यमान हैं तथा आप में ऐसी सक्षमता है कि परिस्थिति के अनुरूप अपने को उपयुक्त बना लेते हैं। प्रायः आप आनंद प्राप्त करने में निमग्न हो जाया करते हैं। परंतु आप पर्याप्त मात्रा में अच्छे कार्यक्रमों को सुरूचिपूर्ण ढंग से संपादन करते हैं।

आप अधिक दिनों तक स्वस्थ रहेंगे। परंतु वृद्धावस्था में किसी प्रकार का जोखिम भरा कार्य करोगे तो आप हृदय संबंधी दिक्कतों तथा पीठ के रीड की हड्डियों के रोग के भुक्त भोगी होंगे। क्योंकि आपकी प्रवृत्ति उत्तेजनात्मक, चिंताग्रस्त स्वभाव एवं बेसुधपना जीवन के प्रति चिंता बना सकता है। अतः आप शांति ग्रहण कर विश्राम करें। आपके लिए उत्तम तो यह है कि प्रत्येक माह में पूर्णिमा के दिन उपवास रखें।

सम्प्रति प्रायः अधिक लोग काला और सफेद वस्त्रों का त्यागकर देते हैं। परंतु आपके लिए अनुकूल रंग हरा, नारंगी एवं लाल रंग भाग्यशाली है।

आप अंक 2, 7 एवं 8 अंक के प्रति सतर्क रहें क्योंकि ये अंक आपके लिए उपयुक्त नहीं है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5, एवं 6 अंक आपके लिए अनुकूल प्रमाणित होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।